खबर संक्षेप

गौ माता को मिले राष्ट्रमाता का दर्जा, कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

शहडोल। गौ माता का सम्मान-राष्ट्र का सम्मान के पावन संकल्प के साथ जय स्तंभ चौक पर विशाल जनजागरण अभियान का आयोजन हुआ। गौ संरक्षण के संकल्पबद्ध प्रथम चरण में 10 हजार हस्ताक्षरों के तहसील ज्ञापन के बाद, अब द्वितीय चरण में राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। गौ सेवकों ने प्रमुखता से मांग उठाई कि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए, गौ हत्या पर कठोर कानून बने और सड़कों पर घूम रही निराश्रित गौ माताओं के लिए सुरक्षित आश्रय, चारा व इलाज की व्यवस्था हो। गौ भक्तों ने कहा कि गौ माता हमारी संस्कृति व कृषि की आधारशिला हैं, जिनकी रक्षा करना हम सबका परम कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना से असंगठित श्रमिकों को मिलेगा बुढ़ापे का सहारा

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत, नगरीय निकायों के मुख्यनगर पालिका अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा विभिन्न निर्माण विभागों में कार्यरत श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। जिला श्रम अधिकारी ने बताया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु के ऐसे असंगठित श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15,000 या उससे कम है, पंजीयन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत लाभार्थी द्वारा निर्धारित मासिक अंशदान जमा किया जाता है, जबकि केंद्र सरकार भी उतनी ही राशि का अंशदान करती है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को 3,000 प्रतिमाह की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है, जिससे वृद्धावस्था में आर्थिक संबल मिलता है। इस योजना का लाभ रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण श्रमिक, कृषि मजदूर, घरेलू कामगार, रिक्शा चालक, बीड़ी श्रमिक, चमड़ा उद्योग, हथकरघा एवं अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिक उठा सकते हैं। हालांकि आयकरदाता तथा ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े व्यक्ति इस योजना के पात्र नहीं हैं। योजना में पंजीयन के लिए आधार कार्ड, बैंक या जनधन खाता तथा मोबाइल नंबर आवश्यक है। पात्र श्रमिक अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर अथवा ऑनलाइन माध्यम से भी पंजीयन करा सकते हैं। योजना में लाभार्थी की मृत्यु होने पर उसके जीवनसाथी को पारिवारिक पेंशन के रूप में पेंशन राशि का 50 प्रतिशत दिए जाने का प्रावधान भी है। जिले के सभी पात्र असंगठित श्रमिकों से अपील की गई है कि वे समय रहते प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीयन कराकर अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं तथा वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का लाभ प्राप्त करें।

दस्त रोको अभियान के तहत जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल द्वारा संचालित दस्त रोको अभियान-2026 के अंतर्गत विकासखंड बुढार के ग्राम खरला स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को दस्त की रोकथाम, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा जल गुणवत्ता परीक्षण के महत्व की जानकारी व्यवहारिक एवं सरल तरीके से प्रदान की गई। विद्यार्थियों को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने तथा आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन कर सुरक्षित पेयजल की पहचान एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।

दोनों पक्षों पर एफआईआर, पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा बवाल

यम्मी स्पाइसी होटल विवाद: सीसीटीवी से खुली सच्चाई

सोहागपुर में मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप सीसीटीवी और साक्ष्यों के आधार पर दोनों पक्षों पर कार्रवाई

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के सोहागपुर थाना क्षेत्र स्थित यम्मी स्पाइसी होटल में रविवार रात वाहन खड़ा करने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते मारपीट और तोडफ़ोड़ में बदल गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया, जिससे संभावित बड़ा विवाद टल गया। पूरी रात सीसीटीवी फुटेज खंगालने और सोमवार भर दोनों पक्षों के बयान लेने के बाद पुलिस ने निष्पक्ष जांच करते हुए दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर ली है। रविवार देर रात हुई इस घटना के बाद प्रारंभिक शिकायत के आधार पर पुलिस ने पहले एक पक्ष की रिपोर्ट दर्ज की। इसके बाद घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की हार्ड डिस्क जब्त कर फुटेज का गहन परीक्षण किया गया। सोमवार को दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए और सामने आए तथ्यों के आधार पर दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है तथा कार्रवाई केवल उपलब्ध साक्ष्यों और तकनीकी प्रमाणों के आधार पर की जाएगी।

वाहन विवाद से बढ़ा विवाद

जानकारी के अनुसार पूरा घटनाक्रम होटल के बाहर वाहन खड़ा करने और वाहन निकालने को लेकर शुरू हुआ। दो युवकों के बीच हुई कहासुनी कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोगों तक पहुंच गई और मामला मारपीट में बदल गया। आरोप है कि इस दौरान होटल परिसर में तोडफ़ोड़ भी हुई तथा कई लोग घायल हो गए। घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है।

पहले पक्ष की शिकायत पर कार्रवाई

घटना के बाद आकाश पाठक की शिकायत पर सोहागपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में 10 नामजद एवं दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। शिकायत में मारपीट, धमकी और वाहन में तोडफ़ोड़ के आरोप लगाए गए। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सीसीटीवी बना सबसे बड़ा साक्ष्य

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने होटल संचालक मोहम्मद आरिफ की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की हार्ड डिस्क जब्त कर ली। पूरी रात अधिकारियों ने फुटेज का परीक्षण किया। जांच में यह भी सामने आया कि प्रारंभिक शिकायत में शामिल कुछ नाम घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। पुलिस अब ऐसे नामों को जांच के आधार पर विलोपित करने की प्रक्रिया में जुटी है।

दूसरे पक्ष की भी दर्ज हुई एफआईआर

सोमवार को पूरे दिन दोनों पक्षों के बयान दर्ज करने और उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा के बाद पुलिस ने दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी आपराधिक प्रकरण दर्ज किया। दूसरे पक्ष की रिपोर्ट में पहले शिकायतकर्ता पक्ष के कुछ लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों की विवेचना समान निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ाई जा रही है।

दुकानदार की भूमिका नहीं मिली

जांच के दौरान अब तक होटल संचालक मोहम्मद आरिफ की किसी प्रकार की प्रत्यक्ष भूमिका सामने नहीं आई है। पुलिस का मानना है कि पूरा विवाद दो पक्षों के बीच अचानक हुई कहासुनी और गलतफहमियों के कारण बढ़ा। होटल संचालक केवल घटनास्थल का संचालक है और उसकी भूमिका की पुष्टि जांच में नहीं हुई है।

सूझबूझ से टला बड़ा विवाद

घटना के कुछ ही समय बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। त्वरित कार्रवाई, लगातार निगरानी, सीसीटीवी फुटेज की जांच और दोनों पक्षों से निष्पक्ष पूछताछ के कारण माहौल शांत बना रहा। पुलिस की सक्रियता से न केवल तत्काल स्थिति नियंत्रित हुई बल्कि बाद में भी किसी प्रकार का तनाव या बड़ा विवाद उत्पन्न नहीं होने दिया गया। यही कारण है कि यह मामला कानून-व्यवस्था की दृष्टि से गंभीर होने के बावजूद समय रहते नियंत्रित कर लिया गया।

इनका कहना है...

दोनों पक्षों की शिकायतों पर कानून के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रारंभिक शिकायत के बाद जब सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों का गहन परीक्षण किया गया, तब दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी प्रकरण दर्ज किया गया। जांच पूरी तरह निष्पक्ष और साक्ष्य आधारित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति का नाम जांच में गलत पाया जाता है तो, उसे हटाया जाएगा, वहीं जिनकी संलिप्तता प्रमाणित होगी, उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समय रहते पुलिस और प्रशासन के मौके पर पहुंचने से स्थिति पर तत्काल नियंत्रण पा लिया गया और संभावित बड़ा विवाद टाल दिया गया।

डॉ. संजय अग्रवाल
पुलिस अधीक्षक
शहडोल

कारगिल विजय दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि
शहीद स्मारक में शहीदों के नाम की पट्टिका का लोकार्पण

शहडोल। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहडोल नगर स्थित शहीद स्मारक में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने शहीदों को नमन कर उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद किया। इस अवसर पर नगर के शहीद देवेंद्र सोनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही शहडोल संभाग के अमर शहीदों के नाम अंकित पट्टिका का लोकार्पण भी किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने शहीदों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया।कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शहीद देवेंद्र सोनी की माता श्रीमती लक्ष्मी सोनी को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद सभी उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं नगर के नागरिकों की सहभागिता रही। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए शहीदों के बलिदान को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कारगिल विजय दिवस पर एबीवीपी ने निकाला कैंडल मार्च, वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) शहडोल नगर इकाई द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में वीर शहीदों की स्मृति में भव्य कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कैंडल मार्च का शुभारंभ शहीद स्मारक से हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी चौक पहुंचा। गांधी चौक में कैंडल मार्च का समापन किया गया, जहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भारत माता एवं कारगिल के अमर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का उद्घोष किया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश के उन अमर सैनिकों के अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। एबीवीपी सदैव राष्ट्रहित और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। इस अवसर पर विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय, जिला संयोजक अमन त्रिपाठी, आकाश मिश्रा, अमन तिवारी, रोहित वर्मा, शिवम् कौर, भूमिका द्विवेदी, हर्षिता मिश्रा, प्रिया सिंह एवं कोमल द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

60 लीटर महुआ और 10 लीटर अंग्रेजी-देशी मदिरा बरामद

उमरिया। जिले को अवैध नशा-मुक्त बनाने के अभियान में उमरिया पुलिस ने शराब तस्करों की कमर तोडक़र रख दी है। कप्तान विजय भागवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के कड़े निर्देशों पर कोतवाली पुलिस ने ग्राम चेतगंज स्थित मनु ढाबा के पास अचानक रेड मारकर अवैध शराब के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। एसडीओपी पी. एस. परस्ते के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चेतगंज में ढाबे के पीछे टपरे की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध मदिरा की बिक्री का काला खेल जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी। तलाशी के दौरान मौके से 60 लीटर हाथ भट्टी निर्मित जहरीली कच्ची महुआ शराब और 9.9 लीटर ब्रांडेड देशी-अंग्रेजी मदिरा का बड़ा जखीरा बरामद किया गया। जब्त कुल 69.90 लीटर शराब की अनुमानित कीमत 10,450 रुपये बताई जा रही है।

मौके से पुलिस ने मुख्य आरोपी राजकुमार सिंह बघेल को दबोच लिया। जब पुलिसिया अंदाज में उससे पूछताछ की गई और शराब से जुड़े जायज कागजात मांगे गए, तो आरोपी बगले झांकने लगा। कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि यह अवैध खेप निगहरी निवासी प्रियांशु सिंह द्वारा बिक्री के लिए सप्लाई की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों राजकुमार सिंह बघेल और सप्लायर प्रियांशु सिंह के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट का गैर-जमानती मामला दर्ज कर लिया है।

सीईओ जिला पंचायत ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के लंबित पत्रों की विभागवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 50 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कहा कि जिन विभागों में 50 दिवस से अधिक समय से शिकायतें लंबित हैं, उनके विभाग प्रमुख स्वयं नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा शिकायतों के निराकरण संबंधी जवाब एल-1 अधिकारी के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए तथा प्रत्येक शिकायत का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सीएम हेल्पलाइन में डी ग्रेड में आने वाले एल-1 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने सी एवं डी श्रेणी में शामिल विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित सुधार लाने तथा ए श्रेणी में आने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार सी एवं डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मासूम समेत 3 की मौत, आधा दर्जन घायल

शहडोल । रविवार को आई आंधी-तूफान और तेज बारिश के बीच जैतपुर थाना क्षेत्र में आसमानी बिजली ने भारी तबाही मचाई है। चार अलग-अलग स्थानों पर काल बनकर गिरी गाज ने 11 वर्षीय मासूम बालक समेत तीन लोगों की जान ले ली, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद पूरे अंचल में मातम पसर गया है, वहीं स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली भी खुलकर सामने आ गई है।

झींक में डॉक्टर की लापरवाही से गई महिला की जान- झींक बिजुरी चौकी अंतर्गत ग्राम झींक में खेत में धान रोपाई के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 28 वर्षीय किसुन बाई (पति राकेश) गंभीर रूप से झुलस गई। ग्रामीण आनन-फानन में उन्हें झींक बिजुरी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां चिकित्सक नदारद

मिले, आखिरकार एम्बुलेंस से जिला अस्पताल शहडोल ले जाते वक्त इलाज में हुई देरी के कारण महिला ने दम तोड़ दिया। हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। **खेत में काम कर रहे किसान पर गिरी गाज-** दरशिला चौकी के छुटकी टोला में खेत में रोपाई कर रहे 45 वर्षीय किसान सुंदर पाव पर अचानक बिजली गिर गई, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य ग्रामीण घायल हो गए। वहीं रेकोवा गांव में भी खेत में काम कर रहे दो लोग आसमानी बिजली की चपेट में आकर झुलस गए, जिनका इलाज जारी है।

मुसरा में घर के बाहर खड़े मासूम की मौके पर मौत- तीसरी हृदयविदारक घटना मुसरा गांव की है, जहाँ घर के बाहर खड़े 11 वर्षीय मासूम धर्मेंद्र सिंह (पिता प्रेमलाल सिंह) पर तेज बारिश के दौरान बिजली गिर गई। मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच- पुलिस ने सभी मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए हैं और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

नशे से दूरी ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी-मिश्रा

अमरकंटक। युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस थाना अमरकंटक द्वारा कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय में 'नशामुक्ति अभियान 2.0' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक पीएस बघेल, सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर यादव एवं आरक्षक दिव्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। नशे की लत युवाओं के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की संभावनाओं को प्रभावित कर उन्हें गलत दिशा में ले जा सकती है।

शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील

पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और शिक्षा के साथ खेल, संस्कृति तथा अन्य सकारात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार या सेवन दिखाई देता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जानी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई कर समाज को इस गंभीर बुराई से बचाया जा सके।

नैतिक मूल्यों के विकास में ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण

विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने पुलिस विभाग के जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी जरूरी है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों और युवाओं को सही दिशा देने के साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में उपप्राचार्य राम त्रिपाठी, विद्यालय के शिक्षकगण, स्टाफ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। पुलिस के इस अभियान से विद्यार्थियों में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के साथ सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का संदेश गया।‹

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री का हुआ आत्मीय स्वागत

उमरिया। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का उमरिया आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। स्थानीय सर्किट हाउस में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता , श्री आशुतोष अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने श्री पटेल का स्वागत किया।

जिले में अवैध खनिज उत्खनन परिवहन एवं भंडारण के विरूध्द कार्यवाही जारी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले मे अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूध्द लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी ने बताया कि अवैध खनिज परिवहन करते हुए तीन वाहनों को जप्त किया गया है। गत दिनों तहसील मानपुर अंतर्गत ग्राम रक्शा बिजौरी रोड में एक वाहन स्वराज 834एक्सएम ट्रेक्टर मय ट्राली के खनिज गिट्टी बिना अभिवहन पारपत्रबिना ईटीपी के अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर थाना मानपुर में अभिरक्षार्थ किया गया ।

चिराग तले भयंकर अंधेरा: रेंजर साहब के बंगले में ही कट गए सागौन और चंदन

सोता रहा वन विभाग, जांच के नाम पर हीलाहवाली

मानपुर। दूसरों के बाग-बगीचों और जंगलों पर पैनी नजर रखने वाला वन विभाग जब अपने ही घर की रखवाली न कर सके, तो समझ लीजिए कि रक्षक ही भक्षक की कहावत चरितार्थ हो रही है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर वन परिक्षेत्र से एक ऐसा ही शर्मनाक और आंखें खोल देने वाला मामला सामने आया है, जहां खुद रेंजर साहब के शासकीय आवास परिसर में ही बेखौफ कुल्हाड़ी और आरी चल गई, जंगल की पहरेदारी का दम भरने वाला महकमा अपने ही बंगले के पेड़ नहीं बचा पाया।

सागौन से शुरू हुआ खेल, चंदन तक पहुंचा

मानपुर स्थित रेंजर के शासकीय आवास परिसर में लगभग दो माह पूर्व करीब 100 सेंटीमीटर गोलाई वाला एक विशालकाय, बहुमूल्य सागौन का पेड़ काट दिया गया। उस समय तत्कालीन रेंजर मुकेश अहिरवार का कार्यकाल था। ताज्जुब की बात यह है कि परिसर में लगा इतना बड़ा पेड़ कट गया, लकड़ी गायब हो गई, लेकिन विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। न तो कोई कार्रवाई हुई और न ही कोई जांच की। विभाग की इस आपराधिक चुप्पी और साहबों के शह का नतीजा यह निकला कि चोरों और माफियाओं के हौसले सातवें आसमान पर पहुंच गए। सागौन हज़म होने के बाद गत 17 जुलाई 2026 की रात को उसी रेंजर बंगले के आंगन से वर्षों पुराने दो नग कीमती चंदन के पेड़ भी काटकर साफ कर दिए गए।

8 दिन बाद भी ढाक के वही तीन पात

एफआइआर दर्ज हुए 8 दिन से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के वही तीन पात है। अब तक न तो किसी आरोपी की पहचान उजागर की गई है, न ही इस बात का जवाब मिला है कि आखिर सागौन और चंदन की लाखों रुपये की लकड़ी कहां गायब हो गई? क्या यह माना जाए कि एफआईआर केवल कागजी लीपापोती और जनता की आंखों में धूल झोंकने का जरिया थी? यदि पहली बार सागौन कटने पर ही ठोस कदम उठाए गए होते, तो शायद 17 जुलाई की रात चंदन के पेड़ों पर आरी नहीं चलती।

उच्च स्तरीय जांच की दरकार

मानपुर का यह घटनाक्रम वन विभाग की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर एक बहुत बड़ा कलंक है। क्षेत्रीय जनता और प्रबुद्ध नागरिकों का स्पष्ट मानना है कि इस पूरे मामले की किसी वरिष्ठ अधिकारी या स्वतंत्र जांच दल से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। तत्कालीन रेंजर से लेकर मौजूदा अधिकारियों, बीट गार्ड और बंगले की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों की भूमिका की कड़ाई से जांच होनी आवश्यक है। अगर वक्त रहते इस भीतरी सेंधमारी और लापरवाही पर करारा प्रहार नहीं किया गया, तो वह दिन दूर नहीं जब टाइगर रिजर्व की पूरी वन संपदा कागजों में ही सिमट कर रह जाएगी।

खबर बनी तो नींद से जागा कुंभकर्णी महकमा

जिस बंगले में वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी रहते हैं, रात-दिन पहरा होता है, वहां से एक-एक कर कीमती इमारती और सुगंधित लकड़ी की तस्करी हो जाती है और किसी को भनक तक नहीं लगती, यह बात गले से नीचे नहीं उतरती, विभागीय अमला तब तक गहरी नींद में सोया रहा है, मामला मीडिया की सुरखियां बनने के बाद महकमे ने आनन-फानन में अपनी गर्दन बचाने के लिए थाना मानपुर में एफआईआर दर्ज कराई।

इनका कहना है...

मामला आपके माध्यम से संज्ञान में आया है, जल्द ही जांच कराई जायेगी।

नितिन निगम
एसडीओ (वन), मानपुर

विभागीय सेवाओं का नियत समय पर लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें: कलेक्टर, 50 दिनों से अधिक लंबित शिकायतें 31 जुलाई तक करें निराकृत

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण करते हुए विभागीय सेवाओं का नियत समय में लाभ दिलाया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 50 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों का 31 जुलाई तक निराकरण करें साथ ही पुरानी शिकायतों को बंद कराएं जिससे बैकलाग न रहे । कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त होने वाली शिकायतों का अभी से ही तत्परता पूर्वक निराकरण करेंगे तो शिकायतें स्वतः ही कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं । कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे। उन्होने निर्माण कार्यो में कार्यरत श्रमिकों का श्रम विभाग में अनिवार्यतः पंजीयन कराए जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। ‹इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर प्रिया अग्रवाल , सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने मछराड़ नदी व उमरार नदी के उद्गम स्थल में पूजा अर्चना कर वृक्षारोपण किया

नदी के उद्गम स्थल में विशेष ऊर्जा होती है: श्री पटेल

उमरिया। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि बड़ी नदियों को बारहमासी रखने के लिए छोटी नदियों को बारहमासी बनाना होगा। हमें पानी की कीमत को पहचानना होगा। नदी का उद्गम स्थल प्रकृति का दिया हुआ वरदान है जहां विशेष ऊर्जा होती है । पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने करकेली विकासखंड के ग्राम कटरिया में मछराड़ एवं ग्राम मरदरी में उमरार नदियों के उद्गम स्थल में पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की तथा वृक्षारोपण किया।

प्रकृति की गोद में बसे उद्गम स्थंल में बसे ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि हर नदी का अपना चरित्र होता है। नदियों में बारहों महीने पानी रहें इसके लिए आवश्यक है कि उद्गम स्थल के आस पास प्रचुर मात्रा में वृक्षारोपण किया जाए तथा लगाए गए वृक्षों की सुरक्षा व उनकी सिंचाई का भी प्रबंध हो। उन्होने कहा कि नदियों के पास वही वृक्ष लगाए जाने चाहिए जो स्थान के अनुकूल हो । नई पीढ़ी को अपने अतीत को सहेजने संवारनें के लिए आगें आना होगा क्योकि हमारी धरती , नदियां व प्रकृति अनादि काल तक रहेगी और इनकी कीमत को पहचानना आवश्यक है । पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि जहां एक ओर नदी के उद्गम स्थल में ऊर्जा होती है वहीं संगम जीवन की संभवनाओं का केंद्र होता है । उन्होंने कहा कि मैं सौभाग्याशाली हूं कि आज मुझे मछराड़ व उमरार नदियों के उद्गम स्थल के दर्शन करने का अवसर मिला। मैं मां नर्मदा का परिक्रमावासी हूं। मैंने अब तक 115 नदियों के उद्गम स्थल की यात्रा की है । मैं उमरियावासियों से अपेक्षा करता हूं की जिस नदी के कारण उमरिया का नाम है उसके उद्गम स्थल को हरा भरा बनाकर उमरार नदी को सदैव जीवित रखें। उन्होंने स्थानीय रहवासियों एवं युवाओं से अपील की कि नदियों को साफ रखनें का संकल्प लें ।

इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने कहा कि बांधवगढ़ की यह धरा कई नदियों का उद्गम स्थल है। यहां विश्व प्रसध्दि पर्यटक स्थल है । पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री मां नर्मदा के अनन्य भक्त है, उनके यहां आकर नदियों के उदगम स्थल में पहुंचने से जिलेवासियों को प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यवक्ष अनुजा पटेल, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, आशुतोष अग्रवाल, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, मिथिलेश मिश्रा, दीपक छत्तवानी, जिला पंचायत सदस्य बेला अर्जुन सिंह सैययाम, ज्ञानेंद्र सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी , सरपंच श्री गोविंद , पुन्नू सिंह सहित अधिकारी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली का कहर, कोतमा में दो लोगों की मौत, चार घायल

खेत, झोपड़ी और ग्रामीण इलाकों में गिरी गाज

चार मवेशियों की भी मौत, दर्जनों पेड़ धराशायी, ट्रांसफार्मर फुंका

कोतमा। रविवार दोपहर मौसम के अचानक बदले मिजाज ने कोतमा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में तबाही मचा दी। तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलसकर घायल हो गए। हादसे में चार बकरियों की भी मौत हुई है। घायलों को निगवानी स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा और जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं, आंधी-तूफान के चलते कई बड़े पेड़ धराशायी हो गए और छुलहा-कोठी मार्ग पर बिजली का ट्रांसफार्मर जल जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

झोपड़ी में रुके थे, गिरी गाज और चली गई जान

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे पथरौड़ी से गढ़ी रोड की ओर जाने वाले धवई टोला में तेज बारिश के दौरान मोती यादव (45) अपने पुत्र सूरज यादव और मवेशियों के साथ बांस की झोपड़ी में रुके हुए थे। इसी दौरान अचानक झोपड़ी पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे में मोती यादव की मौके पर ही मौत हो गई। बिजली की चपेट में आने से तीन बकरियां और एक बकरा भी मर गया। वहीं मोती यादव के पुत्र सूरज यादव को भी गाज लगने से चोटें आईं, जिसे उपचार के लिए निगवानी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

सास-बहू भी झुलसीं, बुजुर्ग महिला जिला अस्पताल रेफर

निगवानी पंचायत के विशुन टोला में भी आकाशीय बिजली गिरने से पुशनी साहू (70) और उनकी बहू कुसुम साहू (40), पति अशोक साहू घायल हो गईं। दोनों को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पुशनी साहू के पेट और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

खेत में रोपा लगा रही महिला की मौत

वहीं कोठी गांव के समीप एक अन्य दर्दनाक हादसे में पुनिया साहू (40), निवासी पकरिहा की जान चली गई। बताया गया कि वह खेत में रोपा लगाने का काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गईं। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मौत हो गई।

कई गांवों में पेड़ गिरे, बिजली व्यवस्था ठप

आकाशीय बिजली के साथ आई तेज आंधी ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया। निगवानी, उरतान, विशुन टोला और छुलहा सहित आसपास के गांवों में कई विशालकाय पीपल, आम, बमूर और यूकेलिप्टस के पेड़ धराशायी हो गए। कई जगह रास्तों पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। वहीं छुलहा से कोठी जाने वाले मार्ग पर लगा बिजली का ट्रांसफार्मर भी जल गया, जिससे आसपास के ग्रामीण इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।

एक साथ कई हादसों से ग्रामीणों में दहशत

रविवार दोपहर हुई इन घटनाओं के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में प्रशासन को ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और मौसम खराब होने के दौरान खुले खेतों, पेड़ों तथा अस्थायी झोपड़ियों में रुकने से बचने के लिए जागरूक करने की जरूरत है।

हसदेव क्षेत्रीय समिति भंग, एचएमएस ने गठित की 13 सदस्यीय अंतरिम समिति

संगठनात्मक अनुशासन के उल्लंघन का हवाला

पूर्व पदाधिकारियों के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार समाप्त

नियमित चुनाव तक अंतरिम समिति संभालेगी कामकाज

अनूपपुर। कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) ने संगठनात्मक अनुशासन, एकता और गतिविधियों को व्यवस्थित करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए हसदेव क्षेत्रीय समिति को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। संगठन की ओर से जारी कार्यालय आदेश में क्षेत्रीय समिति के कुछ पदाधिकारियों की गतिविधियों को संगठन की एकता, अनुशासन एवं संगठनात्मक सुदृढ़ता के प्रतिकूल बताया गया है। संगठन के अनुसार इन गतिविधियों से संगठन के हित प्रभावित हो रहे थे। इसी के चलते एचएमएस ने अपने संविधान की धारा 23(ब) के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए पूरी क्षेत्रीय समिति को भंग करने का निर्णय लिया। समिति भंग किए जाने के साथ ही पूर्व पदाधिकारियों के प्रशासनिक, वित्तीय और बैंकिंग अधिकार भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए गए हैं। संगठन ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि पूर्व समिति के पदाधिकारी अब संगठन के किसी भी बैंक खाते का संचालन नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा बैंक खाते से राशि आहरण, चेक जारी करने, ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से लेन-देन करने या किसी भी प्रकार की वित्तीय गतिविधि करने का अधिकार भी उनके पास नहीं रहेगा।

वित्तीय लेन-देन पर भी लगाई रोक

एचएमएस ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि समिति भंग होने के बाद यदि कोई पूर्व पदाधिकारी संगठन के बैंक खाते से किसी प्रकार का लेन-देन करता है तो उसे पूर्णतः अनधिकृत एवं अवैध माना जाएगा। ऐसे किसी भी वित्तीय लेन-देन की व्यक्तिगत एवं विधिक जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी। संगठन ने इस संबंध में सभी संबंधित लोगों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं, ताकि समिति भंग होने के बाद संगठन की वित्तीय व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता की स्थिति उत्पन्न न हो।

13 सदस्यीय अंतरिम समिति को सौंपी जिम्मेदारी

हसदेव क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावित होने से बचाने और कामकाज को निरंतर जारी रखने के लिए एचएमएस ने तत्काल प्रभाव से 13 सदस्यीय अंतरिम समिति का गठन किया है। संगठन के उपाध्यक्ष आनंद कुमार मिश्रा को समिति का संयोजक बनाया गया है। उनके साथ हसदेव क्षेत्र के विभिन्न उप क्षेत्रों से जुड़े अनूप सिंह, शोभनाथ तिवारी, अमित कुमार वर्मा, रमेश श्रीवास्तव, योगेंद्र त्रिपाठी, इंद्रजीत सिंह, पंकज सिंह, ब्रजेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह, विनय सिन्हा, गोपाल नारायण सिंह, कुशमेंद्र तिवारी और रामपाल तिवारी को समिति में सदस्य बनाया गया है।

श्रमिक हितों पर रहेगा जोर

महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार अंतरिम समिति संगठन के संविधान, नियमों एवं नीतियों के अनुरूप हसदेव क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेगी। समिति को क्षेत्र में संगठनात्मक समन्वय बनाए रखने के साथ ही सदस्यता विस्तार, श्रमिक हितों की सुरक्षा, कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को उठाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की जिम्मेदारी भी दी गई है। अंतरिम समिति क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को गति देने के साथ श्रमिकों से जुड़े विषयों पर आवश्यक निर्णय लेगी। इसके अलावा संगठन के विभिन्न उप क्षेत्रों में समन्वय स्थापित कर एचएमएस की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना भी समिति की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल रहेगा।

नियमित चुनाव तक अंतरिम व्यवस्था

संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम व्यवस्था स्थायी नहीं है। नियमित निर्वाचन संपन्न होने तक 13 सदस्यीय समिति हसदेव क्षेत्र में एचएमएस के क्षेत्रीय स्तर के सभी कार्यों का संचालन करेगी। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, सदस्यता, श्रमिक हितों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े कार्य इसी समिति के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। एचएमएस के इस निर्णय को हसदेव क्षेत्र में संगठनात्मक व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समिति भंग करने, पूर्व पदाधिकारियों के अधिकार समाप्त करने और अंतरिम समिति के गठन संबंधी कार्यालय आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट को लेकर शैलेंद्र ने गांधीवादी रास्ते को अपनाते हुये काली पट्टी बांधकर जता रहे विरोध

बुढ़ार । बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट संचालन को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांग के बीच समाजसेवी एवं अधिवक्ता शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, और उनका कहना है कि - बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट का बार-बार प्रारंभ होना और फिर संभागीय मुख्यालय के राजस्व अधिवक्ता संघ के विरोध के बाद उसे पुनः स्थानांतरित कर दिया जाना क्षेत्रवासियों के साथ अन्याय पूर्ण है।अधिवक्ता शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहाकि - बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट अब केवल एक प्रशासनिक सुविधा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह क्षेत्र के लोगों के अधिकार और सम्मान का प्रश्न बन चुका है। उनका आरोप है कि - वर्षों से इस मांग की लगातार अनदेखी की जा रही है।उन्होंने बताया कि - मै व्यक्तिगत स्तर पर इस मुद्दे को लेकर एक संकल्प लिया हूं कि जब तक बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट नियमित रूप से प्रारंभ नहीं हो जाता, तब तक अपनी कानूनी पहचान अपना

काला कोट शिवाय मा. न्यायालय के समक्ष डेस्क पर उपस्थित के अलावा धारण नहीं करूंगा। और जिला प्रशासन के निर्णय के विरोध में कार्यालीन समय के दौरान हाथ पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करायेंगे। श्रीवास्तव ने कहाकि - पिछले 13 वर्षों से जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल पत्राचार कर लोगों को आश्वासन दिया जाता रहा है, लेकिन अब क्षेत्र की जनता को आश्वासन नहीं बल्कि परिणाम चाहिए। इसी के प्रतीकात्मक विरोध स्वरूप सांकेतिक प्रदर्शन भी किया गया है।उन्होंने कड़े शब्दों में कहाकि - यह विरोध प्रदर्शन की शुरुआत है, जल्द ही बुढ़ार में एस.डी.एम. कोर्ट प्रारंभ करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो भविष्य में व्यापक जनआंदोलन का रास्ता भी अपनाया जायेगा।

खबर संक्षेप

श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार में 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव पूरे श्रद्धा व उत्साहमय मनाया जायेगा

बुढ़ार। श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार में 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव पूरे श्रद्धा व आस्था पूर्वक मनायी जायेगी। गुरु-शिष्य की अनादि काल से चली आ रही परंपरा गुरुपूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुजनों के मध्य होगी और पूज्य गुरुवर का शिष्य परंपरानुरूप पूजन अर्चन कर शुभाशिर्वाद ग्रहण करेंगे। श्रीराम जानकी मन्दिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज पूज्य गुरुवर का उनके परम शिष्य व श्रद्धालुजन पूजन-अर्चन करेंगे, वहीं मन्दिर के साकेतवासी महन्त श्री नारायण दास शास्त्री जी महाराज के तैलचित्र एवं पूज्य ब्रह्मलीन महन्त श्रीराम बालक दास जी के चित्र को शिष्य व श्रद्धालुजन साक्षी मानकर विधि-विधान पूर्वक पूजन-अर्चन कर पूज्य गुरुवर का शुभाशीष प्राप्त करेंगे। नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज ने नगर एवं आस-पास के श्रद्धालु धर्म प्रेमियों से गुरुपूर्णिमा अवसर पर गुरुपूजन कार्यक्रम तथा भण्डारा प्रसाद हेतु सादर नियंत्रित किया है। श्रीराम जानकी मन्दिर में भव्यता के साथ गुरुपूर्णिमा विविध धार्मिक कार्यक्रमों के मध्य मनाने तैयारियां पूर्ण की जा रही है।

बदमाशों ने शारदा माता मंदिर से नकदी व मुकुट छत्र किया चोरी

कटनी। विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत वार्ड नंबर 15 स्थित प्रसिद्ध शारदा मंदिर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गर्भगृह से 2 चांदी के मुकुट, 2 चांदी के छत्र, सोने का एक छोटा लॉकेट तथा दानपेटी में रखी 5,000 रूपये नगदी पार कर दी। इतना ही नहीं, पुलिस जांच से बचने के लिए चोर जाते-जाते मंदिर परिसर में लगा CCTV कैमरे का DVR भी अपने साथ उखाड़ ले गए। मंदिर के पुजारी मुकेश कुमार त्रिपाठी 34 वर्ष की रिपोर्ट पर विजयराघवगढ़ पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 305ए, 331(1) BNS के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 90,000 रूपये बताई जा रही है।

बदमाशों ने युवक से नकदी व लैपटाप छीना

कटनी। मुख्य रेल स्टेशन के बाहर एक युवक के साथ लूटपाट की घटना हुई। घटना प्लेटफॉर्म नं. 5 के बाहर हुई। जानकारी के अनुसार अनूपपुर जिले के ग्राम उमनिया निवासी 22 वर्षीय रेवाकांत लवमेंश के साथ कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 के बाहर झपटमारी की वारदात हुई। रेवाकांत के मुताबिक, अज्ञात बदमाशों ने अचानक आकर उनसे गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और उनके हाथ से पर्स (जिसमें लगभग 600 रूपये नगद थे तथा एसर कंपनी का लैपटॉप झपटकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

फर्जी तरीके से खाता खोल लोन राशि निकाली

कटनी। बरही थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के नाम पर उसकी बिना जानकारी और सहमति के बैंक खाता खोल दिया गया और जालसाजों ने उस पर फर्जी तरीके से लोन की राशि भी पास करा ली। जानकारी के अनुसार बरही निवासी विवेक तिवारी को जब अपने नाम पर फर्जी खाता खोले जाने और उस पर लोन लिए जाने की भनक लगी तो उनके होश उड़ गए। पीड़ित ने तत्काल इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पीड़ित का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके व्यक्तिगत दस्तावेजों का अनधिकृत उपयोग कर धोखाधड़ी की नीयत से यह पूरा खेल रचा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बरही पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में विजय दिवस का आयोजन

उमरिया। शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में आज दिनांक 26 जुलाई 2026 को वीर शहीदों के सम्मान में विजय दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने शहीदों के सम्मान में छात्र-छात्राओं को विजय दिवस की उपलब्धियां को विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ शाहिद सिद्दीकी ने बताया कि भारतीय सेना के वीर जवानों ने अदम्य साहस, पराक्रम एवं सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त कर राष्ट्र की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा की। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न देशभक्ति

कार्यक्रम, व्याख्यान माला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं दो मिनट का मौन धारण कर राष्ट्र ध्वज एवं राष्ट्र गान गाया गया तथा विभिन्न गतिविधिया , संगोष्ठी, परिचर्चा, निबंध , भाषण , प्रश्नोत्तरी, चित्रकला आयोजित कर सेना के शौर्य, बलिदान, चलचित्र का प्रदर्शन किया गया एवं विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के कर्तव्यों के प्रति संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में डॉ गंगाधर ढोके, श्री अनुभव श्रीवास्तव,अंकुश सोनी, नर्मदा मिश्रा , कमलेश बैगा एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं

आदिवासी महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, मामला सन्दिग्ध

उमरिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम भरौला स्थित बस स्टैंड के समीप सोमवार को एक 35 वर्षीय महिला द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की पहचान राम बाई पति रामनरेश बैगा के रूप में हुई है। जानकारी मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल उमरिया लाया गया।108 एम्बुलेंस के ईएमटी आबिद शेख एवं पायलट संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही बिना विलंब किए मौके पर पहुंचे और प्राथमिक सहायता देने के बाद महिला को सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला ने स्वयं जहरीले पदार्थ का सेवन किया या फिर वह किसी साजिश का शिकार हुई है। पूरे घटनाक्रम को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले को और भी संदिग्ध इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जिला अस्पताल में पीड़ित महिला के साथ उसकी सास और पड़ोसी महिला उपचार के लिए पहुंची, जबकि घटना के समय घर पर मौजूद होने के बावजूद पति उसके साथ अस्पताल नहीं आया। इस वजह से घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिलहाल महिला का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला आत्महत्या के प्रयास का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

घर मे सो रहीं बच्ची को सांप ने काटा, कुछ देर में ही हुई मौत

उमरिया। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र की अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम चिल्हारी मे एक चार वर्षीय मासूम बच्ची की जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई। मृतका का नाम प्रीति उर्फ सारिका पिता संजय चौधरी 4 वर्ष निवासी ग्राम चिल्हारी बताया गया है। जानकारी के अनुसार सारिका चौधरी बीती रात अपने घर मे जमीन पर सो रही थी। सुबह जागने पर उसके कान से खून निकल रहा था। शुरुआत मे परिजनों ने इसे सामान्य मामला समझकर रोती हुई बच्ची को शांत कराया, लेकिन कुछ ही देर मे उसकी तबीयत तेजी से बिगडऩे लगी। इसी दौरान घर के अंदर एक जहरीला सर्प भी दिखाई दिया, जिससे सर्पदंश की आशंका गहरा गई। परिजन बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल ले जाते, इसे पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अमरपुर अस्पताल भेज दिया। अस्पताल के डॉ. शिव प्रजापति ने बताया कि बच्ची के शरीर पर सर्पदंश जैसे निशान तथा शरीर मे नीलापन पाया गया है। प्रथम दृष्टया मामला सर्पदंश से मृत्यु का प्रतीत होता है, हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

अमकुही–देवरी पाठक मार्ग बारिश में बना मुसीबत, राहगीर परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

उमरियापान क्षेत्र के अमकुही से देवरी पाठक को जोड़ने वाला सड़क मार्ग बारिश के दिनों में ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। हल्की बारिश होते ही सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है। सड़क किनारे मिट्टी जमा हो जाती है। जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उभरे पत्थरों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार वाहन चालक फिसलकर गिर चुके हैं। वहीं स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और पैदल आने-जाने वाले लोगों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। बच्चे कई बार स्कूली बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उन्हें चोट भी लगती है। रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। अंधेरे में लोग बेहद सावधानी के साथ रुक-रुककर मार्ग पार करते हैं, ताकि किसी गड्ढे में गिरने या फिसलने से बच सकें। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग की बदहाल स्थिति से करीब 10 गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सड़क पहले से ही संकरी है, ऐसे में चार पहिया वाहनों के निकलने में भी काफी दिक्कत होती है। आमने-सामने वाहन आने पर एक वाहन को काफी पीछे हटना पड़ता है, जिससे जाम जैसी स्थिति बन जाती है। आपातकालीन सेवाओं से जुड़े एम्बुलेंस और पुलिस वाहन भी इस मार्ग से मुश्किल से गुजर पाते हैं।

शादियों पर लगी रोक, चार माह करना होगा इंतजार

चातुर्मास में विवाह सहित सभी मांगलिक कार्य रहेंगे वर्जित

देवउठनी एकादशी से फिर बजेंगी शहनाइयां

राजनगर। 26 जुलाई से चातुर्मास की शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही विवाह सहित सभी प्रकार के शुभ एवं मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया है। धार्मिक एवं सनातन मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास की अवधि में भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं। इस कारण इस अवधि में विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार सहित अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं माने जाते। अब लोगों को विवाह एवं अन्य शुभ कार्यों के लिए करीब चार माह तक इंतजार करना होगा। चातुर्मास की समाप्ति के बाद 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ मांगलिक कार्यों का सिलसिला दोबारा शुरू होगा। देवउठनी एकादशी को भगवान विष्णु के जागृत होने के बाद विवाह आदि शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त निकलने लगेंगे। इसके साथ ही लंबे समय से विवाह की तैयारी कर रहे परिवारों में फिर से शहनाई बजने का दौर शुरू होगा।

चार माह विश्राम करते हैं भगवान विष्णु

पंडित अरविंद डोंगरे के अनुसार ज्योतिष शास्त्र एवं सनातन परंपरा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। इसी दिन से भगवान विष्णु चार माह के लिए क्षीरसागर में विश्राम करने चले जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु के शयन में रहने के कारण विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्यों के लिए आवश्यक देवताओं का आह्वान पूर्ण नहीं हो पाता। इसलिए इस दौरान शुभ कार्यों को स्थगित रखा जाता है।

इन मांगलिक कार्यों पर रहेगा विराम

चातुर्मास के चार महीनों में विवाह, मुंडन संस्कार, जनेऊ संस्कार, गृह प्रवेश सहित अनेक मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। भारतीय सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य को शुभ तिथि और शुभ मुहूर्त देखकर ही संपन्न करने की परंपरा रही है। शास्त्रों में बताया गया है कि मांगलिक कार्यों में देवी-देवताओं का आह्वान किया जाता है, लेकिन भगवान विष्णु के शयन अवस्था में होने के कारण इस अवधि में ऐसे कार्यों से परहेज किया जाता है।

21 नवंबर को होगा व्रत का पारण

देवोत्थान एकादशी के दूसरे दिन 21 नवंबर को व्रत का पारण होगा। इसी तिथि की रात 3 बजकर 41 मिनट पर विवाह नक्षत्र के साथ तुलसी विवाह संपन्न होगा। इसके बाद शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त का सिलसिला शुरू हो जाएगा। चातुर्मास की समाप्ति के साथ ही विवाह समारोहों की तैयारियां भी तेज होने की उम्मीद है और विवाह मंडपों में फिर से शहनाइयों की गूंज सुनाई देगी।

श्रावण मास में कंधे पर कांवड़ टांगने की तैयारी में जुटे शिवभक्त

बोल बम समितियां तैयारियों में जुटीं

राजनगर। श्रावण मास के नजदीक आते ही राजनगर क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में शिवभक्ति की लहर तेज होने लगी है। 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाले श्रावण मास को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बोल बम यात्रा में शामिल होने वाले युवाओं और शिवभक्तों के काफिले की रूपरेखा तैयार करने के लिए समितियों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। वहीं क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भी श्रावण मास के मद्देनजर रंग-रोगन, साफ-सफाई और सजावट का कार्य प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। वर्षों से चली आ रही कांवड़ यात्रा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी राजनगर की विभिन्न बोल बम समितियों के तत्वावधान में नगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर धार्मिक यात्राओं पर निकलेंगे। शिवभक्त मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक से पवित्र जल लेकर जालेश्वर पहुंचेंगे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं मनोकामना की पूर्ति की प्रार्थना करेंगे। वहीं राजनगर के केरहाधाम से जल लेकर सिद्ध बाबा मनेन्द्रगढ़ तक कांवड़ यात्रा निकालने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

भगवा रंग में नजर आएगा राजनगर

श्रावण मास में नगर सहित आसपास के क्षेत्र में बोल बम के जयकारों की गूंज सुनाई देने की उम्मीद है। कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले शिवभक्तों द्वारा भगवा वस्त्र, कांवड़, ध्वज तथा यात्रा के दौरान उपयोग में आने वाली आवश्यक सामग्री एकत्र की जा रही है। कई समितियों द्वारा यात्रा के मार्ग, भोजन, ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। इसके अलावा क्षेत्र के कुछ शिवभक्त बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर जाने की तैयारी में भी जुटे हैं।

शिवालयों में शुरू हुई तैयारियां

श्रावण मास को लेकर राजनगर क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के देवालयों में साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया है। मंदिर परिसरों की सफाई के साथ ही श्रद्धालुओं की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। मंदिरों में श्रावण मास के दौरान विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और धार्मिक आयोजन भी होंगे।

मनोकामना पूर्ति के लिए करते हैं शिव आराधना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस पूरे माह शिवभक्त उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। मान्यता है कि सावन में श्रद्धापूर्वक भगवान शिव का जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था और विश्वास के साथ क्षेत्र के हजारों शिवभक्त कांवड़ यात्रा की तैयारी में जुटे हैं।

आदतन अपराधी को चार माह तक थाने में अनिवार्य हाजिरी देने के दिये निर्देश

कटनी। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने आदतन अपराधी आयुष गर्ग 25 वर्ष को आगामी 4 माह तक प्रत्येक माह की 15 तारीख को पुलिस थाना कुठला में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयुष गर्ग के विरुद्ध वर्ष 2020 से अब तक थाना एनकेजे में कुल 5 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि वह लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है, जिससे क्षेत्र की शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। आयुष गर्ग के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों में गाली-गलौज, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करना, मारपीट, जान से मारने की धमकी देना तथा लूट की मंशा से हमला करने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस द्वारा पूर्व में कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया।

दतला नदी पर बना पुल दो साल से टूटा, हादसे का इंतजार कर रहे जिम्मेदार

बेपरवाही की इंतहाः जान जोखिम में डाले या 15 किमी का लगाये चक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा तहसील के सगमा गांव से गुजरने वाली दतला नदी पर बना पुल दो साल पहले आई तेज बाढ़ में बह गया था, तब से इस पुल का पुनर्निर्माण नहीं हुआ है। इसका खामियाजा सगमा और आसपास के ग्रामीण भुगत रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूली विद्यार्थियों को हो रही है। वे हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नदी को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द नए पुल के निर्माण की मांग की है। इससे उनकी आवागमन की समस्या का समाधान हो सकेगा।

विद्यार्थियों की मुसीबत

सगमा के लगभग 100 बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गोपालपुर, दशरमन और अन्य गांवों में स्थित स्कूलों में जाते हैं। दतला नदी पर पुल न होने के कारण बारिश के दिनों में जब नदी उफान पर होती है, तो इन बच्चों को बहते पानी से होकर गुजरना पड़ता है।

लालपुर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यह स्थिति किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। उनका कहना है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर बिलकुल भी गंभीर नहीं हैं।

अभिभावक हर दिन अपने बच्चों को स्कूल भेजते हुए चिंतित रहते हैं। उन्हें डर है कि कब नदी में जल स्तर बढ़ जाए और कोई अनहोनी हो जाए।

15 किमी का अतिरिक्त चक्कर

पुल बह जाने के कारण ग्रामीणों को मुख्यालय तक पहुंचने के लिए लगभग 15 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। बारिश के मौसम में जब नदी में पानी का बहाव तेज होता है तो यह वैकल्पिक रास्ता भी कई बार दुर्गम हो जाता है।

कई बार ग्रामीण कर चुके मांग, नहीं हो रही पूरी

नदी में पानी अधिक होने से आवागमन बाधित हो जाता हैं। आवश्यक काम, मेडिकल सुविधाओं या अन्य जरूरतों के लिए भी उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई भी बाधित होती है, क्योंकि बाढ़ के दिनों में वे स्कूल नहीं जा पाते। ग्रामीण लगातार विधायक, सांसद से बहे हुए पुल की जगह नए पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अधिकारियों का कहना है कि टूटे हुए पुल को पार नहीं करने की चेतावनी प्रशासन की तरफ से दी जा रही है। स्कूल जाने के लि और भी विकल्प मार्ग हैं, उनका उपयोग भी किया जा सकता है। पीडब्ल्यूडी विभाग को पुल निर्माण करने के लिए निर्देशित किया गया है। संभवतः जल्द पुल निर्माण कर शुरू कराया जाएगा।

खबर संक्षेप

कलेक्टर के तबादले का श्रेय लेने की होड़ पर विनय सिंह का पलटवार

अनूपपुर। जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली के स्थानांतरण को लेकर चल रही राजनीतिक और सामाजिक चर्चाओं के बीच अधिवक्ता विनय सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कुछ लोगों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर के स्थानांतरण का मिथ्या श्रेय लेने का प्रयास कर कुछ तथाकथित लोग सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं, जबकि आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण शासन की नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है। विनय सिंह ने कहा कि कलेक्टर, कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक जैसे अधिकारियों के स्थानांतरण का निर्णय शासन स्तर पर उनके कार्यकाल और प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर लिया जाता है। ऐसे में किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा यह दावा करना कि उसके प्रयासों से स्थानांतरण हुआ है, पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर जिले का प्रतिनिधित्व मंत्री दिलीप जायसवाल, कैबिनेट मंत्री रामलाल रौतेल, सांसद हिमाद्री सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह जैसे जनप्रतिनिधि करते हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी स्थानांतरण को लेकर कोई व्यक्तिगत दावा नहीं किया। ऐसे में कुछ लोगों द्वारा स्वयं को इसका श्रेय देना अनुचित और तथ्यों के विपरीत है। प्रेस विज्ञप्ति में विनय सिंह ने यह भी कहा कि आईएएस अधिकारी किसी व्यक्ति विशेष की पहचान के मोहताज नहीं होते और पदोन्नति के बाद वे भविष्य में कमिश्नर, प्रमुख सचिव या मुख्य सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि बिना तथ्य के भ्रम फैलाने और सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के प्रयासों से बचें।

जिला स्तरीय एनकॉर्ड कमेटी की बैठक आज

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकार्ड कमेटी की बैठक सोमवार, 27 जुलाई को शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट मीटिंग हॉल में आयोजित की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने जिला वन अधिकारी, केंद्रीय जीएसटी विभाग के प्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, जिला औषधि निरीक्षक तथा सीन ऑफ क्राइम मोबाइल यूनिट जबलपुर को बैठक में एजेंडा बिंदु की जानकारी सहित उपस्थित रहने के लिये कहा है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार, 27 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभागृह में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। जिला सड़क सुरक्षा समिति कटनी की सचिव एवं कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग शारदा सिंह ने बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी, आयुक्त नगर निगम, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएचएआई, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जबलपुर सहित सभी संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य जानकारी के साथ उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

जिले में अब तक 323.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 26 जुलाई तक कुल 323.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्यल अवधि के दौरान जिले में 657.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई।

जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी पर उठे सवाल

बारिश में अतिक्रमण हटाओ अभियान, समस्या सुलझाने के बजाय बढ़ा रहा परेशानी

गरीबों पर कार्रवाई और पहुंच वालों को राहत देने के आरोप

अनूपपुर। नगर पालिका अनूपपुर द्वारा इन दिनों शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन बारिश के मौसम में चलाए जा रहे इस अभियान को लेकर अब सवाल भी खड़े होने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिससे शहर की व्यवस्था सुधरे और आम लोगों को राहत मिले। वर्तमान में कई स्थानों पर कार्रवाई को लेकर भेदभाव और मनमानी के आरोप लगाए जा रहे हैं। वहीं अभियान के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, संबंधित वार्ड पार्षद और मनोनीत पार्षदों की मौजूदगी भी नजर नहीं आने से जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष, पार्षद और मनोनीत पार्षद होने के बावजूद नगर पालिका का संचालन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी के भरोसे चल रहा है। शहर में कई मूलभूत समस्याएं पहले से बनी हुई हैं, लेकिन उन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भी नागरिकों का कहना है कि पहले शहर की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और उसके बाद आवश्यकता के अनुसार कार्रवाई की जाए।

पुराने नपा कार्यालय के आसपास भी अतिक्रमण

शहर में अतिक्रमण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुराने नगर पालिका कार्यालय के आसपास भी कई तरह के अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग देखने को मिलती है। कई बार नगर पालिका के वाहन ही सड़क किनारे खड़े दिखाई देते हैं। कोतवाली के

सामने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की कतार लगी रहती है। स्टेशन से कलेक्ट्रेट होते हुए कोतमा जाने वाला यह शहर का प्रमुख मार्ग है, ऐसे में यहां सड़क किनारे खड़े वाहन और अन्य अवरोध यातायात व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। नागरिकों का सवाल है कि जब मुख्य मार्ग पर इस तरह की स्थिति बनी हुई है तो नगर पालिका का ध्यान इन स्थानों पर क्यों नहीं जा रहा है।

कार्रवाई में भेदभाव का आरोप

अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर सबसे बड़ा आरोप कार्रवाई में कथित भेदभाव का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो पैसे कमाकर परिवार का पालन-पोषण करने वाले छोटे दुकानदार और गरीब वर्ग के लोगों के अतिक्रमण पर सबसे पहले कार्रवाई की जाती है, जबकि प्रभावशाली और पहुंच वाले लोगों के मामले में नरमी बरती जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कार्रवाई के तरीके को लेकर नागरिकों में चर्चा जरूर है। लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, संबंधित वार्ड पार्षद और मनोनीत पार्षदों को मौके पर मौजूद रहना चाहिए। अधिकारी और कर्मचारी आज हैं, कल उनका स्थानांतरण हो सकता है, लेकिन निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को इसी शहर और अपने वार्ड के लोगों के बीच रहना है। इसलिए सही और गलत अतिक्रमण का स्थानीय स्तर पर आकलन करने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

मनमानी पर लगे रोक, जरूरत के अनुसार हो कार्रवाई

नागरिकों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी तरह नियमों के अनुसार और निष्पक्ष होनी चाहिए। जहां अतिक्रमण से सड़क, नाली, यातायात या आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है, वहां कार्रवाई जरूरी है। लेकिन किसी व्यक्ति का अतिक्रमण बिना उचित कारण या एकतरफा तरीके से तोड़ा जाना उचित नहीं है। कार्रवाई से पहले संबंधित व्यक्ति को समझाइश और चेतावनी देकर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया जाना चाहिए। साल में दो-चार बार अभियान चलाने से शहर को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त नहीं किया जा सकता। इसके

लिए लगातार मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। अध्यक्ष, पार्षद और मनोनीत पार्षदों को भी इसकी जिम्मेदारी उठानी चाहिए। पहले अतिक्रमण करने वालों से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी जाए और चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पुरानी सब्जी मंडी में मछली बाजार का चबूतरा तोड़ना उचित कदम

नगर पालिका द्वारा हाल ही में की गई कुछ कार्रवाई को नागरिकों ने उचित भी बताया है। पुरानी सब्जी मंडी में अवैध रूप से संचालित मछली बाजार के चबूतरे को जेसीबी से ध्वस्त किया गया। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी। इस कार्रवाई को लोगों ने शहर की व्यवस्था सुधारने की दिशा में उचित कदम बताते हुए इसका स्वागत किया। नगर पालिका अनूपपुर के राजस्व निरीक्षक गौरव सिंह बघेल और अतिक्रमण प्रभारी अखिलेश सिंह चौहान के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार शहरी क्षेत्र में अलग-अलग दिनों में कार्रवाई जारी रहेगी और नगर पालिका क्षेत्र में सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

बारिश में कार्रवाई से पहले परिस्थितियों का हो आकलन

बारिश के मौसम में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भी लोगों का कहना है कि अभियान चलाने से पहले मौसम और संबंधित परिवारों की स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए। बारिश के दौरान छोटे दुकानदारों और गरीब परिवारों के सामने पहले से ही रोजी-रोटी का संकट रहता है। ऐसे में जहां अतिक्रमण वास्तव में यातायात या जल निकासी में बाधक नहीं है, वहां तत्काल तोड़फोड़ के बजाय पहले समझाइश का रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

स्टेशन से बस स्टैंड तक मुख्य मार्ग हो अतिक्रमण मुक्त

शहर के प्रमुख मार्गों को पूरी तरह व्यवस्थित करने की जरूरत है। स्टेशन से बस स्टैंड तक का मार्ग शहर का प्रमुख आवागमन मार्ग है। इसी तरह कन्या स्कूल के सामने लंबे समय से मौजूद अतिक्रमण को भी व्यवस्थित करने की मांग उठ रही है। कोतवाली के सामने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे खड़े रखने से भी यातायात प्रभावित होता है। इन वाहनों को हटाकर मुख्य सड़क को पूरी तरह क्लियर किया जाना चाहिए। नागरिकों का कहना है कि नगर सभी का है और इसे सुव्यवस्थित रखना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जो लोग नियमों का पालन नहीं करते और बार-बार अतिक्रमण करते हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और समान रूप से होनी चाहिए। यदि नगर पालिका अध्यक्ष, संबंधित वार्ड पार्षद और मनोनीत पार्षद मौके पर मौजूद रहकर सही-गलत का फैसला करें तो अभियान को लेकर उठने वाले सवालों पर भी काफी हद तक विराम लग सकता है।

राजस्व विभाग के नोटिस पर उठे गंभीर सवाल, किसानों में आक्रोश

बिना आवेदक-अनावेदक, खसरा नंबर और प्रकरण क्रमांक के जारी नोटिस से बढ़ा विवाद

अनूपपुर। तहसील अनूपपुर अंतर्गत राजस्व निरीक्षक मंडल अनूपपुर द्वारा काश्तकारों को जारी किए गए एक नोटिस को लेकर अब किसानों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नोटिस में राजस्व प्रकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विवरण दर्ज नहीं होने के कारण इसकी प्रक्रिया और पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि जिस भूमि और रास्ते की जांच के संबंध में उन्हें नोटिस जारी किया गया है, उसमें न तो आवेदक एवं अनावेदक के नाम स्पष्ट हैं और न ही खसरा नंबर, रकबा तथा प्रकरण क्रमांक जैसी जरूरी जानकारी दी गई है। किसानों के मुताबिक किसी भी राजस्व मामले में संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी करते समय यह स्पष्ट होना चाहिए कि कार्रवाई किस प्रकरण में और किस भूमि को लेकर की जा रही है। लेकिन संबंधित नोटिस में केवल "तहसीलदार अनूपपुर के आदेशानुसार" कार्रवाई किए जाने का उल्लेख किया गया है। तहसीलदार के आदेश का प्रकरण क्रमांक, आदेश दिनांक अथवा अन्य संदर्भ दर्ज नहीं होने से किसानों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किस मामले के आधार पर उन्हें नोटिस जारी किया गया है।

किस जमीन और किस प्रकरण की जांच, स्थिति स्पष्ट नहीं

किसानों का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद वे स्वयं असमंजस की स्थिति में हैं। नोटिस में संबंधित भूमि का खसरा नंबर और रकबा तक स्पष्ट नहीं होने से यह पता लगाना मुश्किल है कि राजस्व विभाग किस भूमि को लेकर जांच कर रहा है। यदि मामला रास्ते से जुड़ा है तो रास्ते की वास्तविक स्थिति, उसका राजस्व रिकॉर्ड और संबंधित भूमि का पूरा विवरण भी नोटिस में होना चाहिए। किसानों का कहना है कि अधूरी जानकारी वाले नोटिस के आधार पर यदि किसी काश्तकार को अपनी जमीन के संबंध में जवाब देना पड़े तो वह अपने पक्ष को प्रभावी तरीके से कैसे रखेगा। उनका आरोप है कि इस तरह की प्रक्रिया से संबंधित भूमि स्वामियों पर अनावश्यक दबाव की स्थिति बन रही है।

अवैध प्लाटिंग तक रास्ता पहुंचाने का आरोप

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि क्षेत्र में कुछ भूमि दलालों द्वारा कथित रूप से की गई प्लाटिंग तक पहुंच बनाने के लिए रास्ते की जरूरत बताई जा रही है। आरोप लगाया जा रहा है कि निजी काश्तकारों की भूमि से रास्ता निकालने के उद्देश्य से राजस्व प्रक्रिया का सहारा लिया जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया है कि उन्हें बार-बार नोटिस देकर रास्ते के मामले में दबाव बनाने का प्रयास

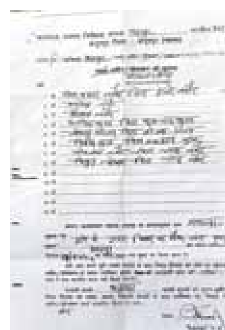

किया जा रहा है। कुछ किसानों ने हल्का पटवारी और राजस्व निरीक्षक की कथित भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि, अधिकारियों अथवा कर्मचारियों की मिलीभगत संबंधी इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

नोटिस की वैधानिकता और पारदर्शिता पर सवाल

किसानों का कहना है कि राजस्व विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में प्रकरण का स्पष्ट विवरण होना जरूरी है, ताकि संबंधित व्यक्ति को यह जानकारी रहे कि उसके खिलाफ या उसकी भूमि के संबंध में किस आधार पर कार्रवाई की जा रही है। आवेदक-अनावेदक के नाम, खसरा नंबर, रकबा, प्रकरण क्रमांक और जांच का विषय स्पष्ट नहीं होने से नोटिस की प्रक्रिया पर ही सवाल उठ रहे हैं। किसानों ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च अधिकारियों से जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित नोटिस किस आदेश और किस राजस्व प्रकरण के आधार पर जारी किया गया। साथ ही यदि किसी निजी भूमि से रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है तो उसके पीछे का कानूनी आधार और राजस्व रिकॉर्ड भी सार्वजनिक किया जाए।

जवाब के इंतजार में किसान, विभाग की भूमिका पर नजर

मामले को लेकर अब किसानों की निगाहें तहसील प्रशासन के स्पष्टीकरण पर टिकी हैं। किसान चाहते हैं कि उन्हें स्पष्ट रूप से बताया जाए कि नोटिस किसके आवेदन पर जारी हुआ, संबंधित प्रकरण क्रमांक क्या है और किस खसरा नंबर की भूमि की जांच की जा रही है। साथ ही नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में यदि कोई कमी हुई है तो उसे भी स्पष्ट किया जाए। फिलहाल अधूरी जानकारी के साथ जारी नोटिस को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है। किसानों का कहना है कि राजस्व विभाग की कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसी भी काश्तकार की निजी भूमि पर बिना स्पष्ट कानूनी आधार के रास्ता निकालने का प्रयास न हो। अब देखना होगा कि तहसील प्रशासन किसानों द्वारा उठाए गए सवालों पर क्या जवाब देता है और मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

हाथियों का आतंक, दीवार गिरने से वृद्ध घायल, हाथी देखने छत पर चढ़ रही महिला गिरी

जैतहरी के कुसुमहाई और चोई के जंगल में डेरा डाले तीन हाथी रात में घरों और खेतों को बनाया निशाना, ग्रामीणों में दहशत

अनूपपुर। जिले में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हाथियों के झुंड के लगातार विचरण और आबादी वाले क्षेत्रों में घुसकर घरों को नुकसान पहुंचाने से ग्रामीण भय और दहशत के बीच रात गुजारने को मजबूर हैं। हाथियों ने शनिवार देर रात जैतहरी नगर से लगे लहरपुर गांव में एक मकान की दीवार गिरा दी। मलबे में दबने से घर के अंदर खाट पर सो रहे 60 वर्षीय वृद्ध घायल हो गए। वहीं हाथियों को देखने के लिए छत पर चढ़ रही महिला पैर फिसलने से नीचे गिरकर घायल हो गई। दोनों घायलों को जैतहरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। शनिवार देर रात हाथियों का समूह जैतहरी नगर से लगे लहरपुर गांव में पहुंच गया। खाने की तलाश में हाथी ने 60 वर्षीय बुद्धू पिता बाबूलाल पनिका के घर की दीवार को गिरा दिया। उस समय बुद्धू घर के अंदर खाट पर अकेले सो रहे थे। अचानक दीवार गिरने से वह मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग का गश्ती दल मौके पर पहुंचा और घायल वृद्ध को उपचार के लिए जैतहरी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उनका उपचार जारी है। इसी तरह रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि दो हाथियों का समूह जैतहरी से करीब 10 किलोमीटर दूर चोई गांव के पडमनिया टोला के बीच बस्ती में पहुंच गया। हाथियों की मौजूदगी की जानकारी लगने पर

ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान 40 वर्षीय कलावती पति लखन चर्मकार हाथियों को देखने के लिए छत पर चढ़ने लगी। सीढ़ी चढ़ते समय अचानक पैर फिसलने से वह नीचे गिर गई और चोटिल हो गई। महिला को भी उपचार के लिए जैतहरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पिछले दो दिनों से तीन हाथियों का समूह दो अलग-अलग हिस्सों में बंटकर क्षेत्र में विचरण कर रहा है। इनमें दो हाथी सोमवार सुबह जैतहरी के चोई गांव से लगे प्लांटेशन के जंगल में विश्राम करते देखे गए, जबकि एक हाथी कुसुमहाई के झंडी टोला के जंगल में डेरा डाले हुए है। दिन के समय जंगल में विश्राम करने के बाद रात में हाथियों के आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों की नजर अब इस बात पर टिकी है कि रात में हाथियों का समूह किस दिशा में रुख करता है। हाथियों के लगातार विचरण के कारण ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती जा रही है। हाथी आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों में तोड़फोड़ करने के साथ ही खेतों में लगी फसलों को खाकर और पैरों से रौंदकर नुकसान पहुंचा रहे हैं। अचानक रात के समय किसी भी गांव में हाथियों के पहुंच जाने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीण रातभर जागकर अपने घरों और परिवार की सुरक्षा करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग का हाथी गश्ती दल लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है, लेकिन हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर रखने के लिए कोई ठोस और स्थायी उपाय नजर नहीं आ रहा है। लगातार घरों में तोड़फोड़, फसलों के नुकसान और अब ग्रामीणों के घायल होने की घटनाओं से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने हाथियों के विचरण वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी बढ़ाने तथा हाथियों को आबादी से दूर रखने के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की है।

जंगल से भटककर खेत पहुंचा चीतल का शावक

अनूपपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत मझगवां के चटुआ गांव में सोमवार सुबह एक चीतल (हिरण) का शावक जंगल से भटककर खेत में पहुंच गया। अपने झुंड से बिछड़ा यह मासूम वन्यजीव खेत में दिखाई देने पर किसान ने मानवता और जागरूकता का परिचय देते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की तथा तत्काल वन विभाग को सूचना दी। जानकारी के अनुसार चटुआ स्थित खेत में काम कर रहे किसान केशव पटेल

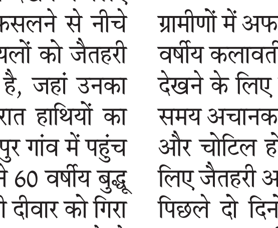

पिता स्व. रामकरण पटेल ने चीतल के बच्चे को अकेला घूमते देखा। किसी जंगली जानवर या आवारा पशु से खतरे की आशंका को देखते हुए उन्होंने शावक को सुरक्षित स्थान पर रखा और तुरंत वन विभाग को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही वनरक्षक दुर्गेश कुमार पटेल मौके पर पहुंचे और चीतल के शावक को अपनी अभिरक्षा में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। वन विभाग द्वारा शावक की सुरक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै तुलसी देवी मरावी पिता श्री थानसिंह मरावी आयु 37 वर्ष जाति गोंड, निवासी ग्राम सरवाही थाना राजेंद्रग्राम जिला अनूपपुर म०प्र० पिन 484881, निम्नलिखित घोषणा करती हूं: 1. मै अपने पुत्री लेखिका सिंह पिता नरेश सिह आर्मो आयु 11 वर्ष (नाबालिक) की नैसर्गिक माँ हूँ, मेरे पुत्री की कक्षा 4 की मार्कशीट, आधार कार्ड, बीमा पालिसी, बैंक खाता जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, समग्र आई.डी. सर्विस बुक मे बतौर नामिनी तथा एन. पी. एस. में लेखिका सिह पिता नरेश सिंह आर्मो (LEKHIKA SINGH D/O NARESH SINGH ARMO) मे सुधार कर लेखिका सिंह पिता नरेश (LEKHIKA SINGH D/O NARESH) दर्ज कराना है। 2. मै यह पुष्टि करती हूं कि मार्कशीट तथा उपरोक्त वर्णित अन्य दस्तावेजो में दर्ज लेखिका सिह पिता नरेश सिंह आर्मो (LEKIHKA SINGH D/O NARESH SINGH ARMO) और लेखिका सिंह पिता नरेश (LEKHIKA SINGH D/O NARESH) एक ही व्यक्ति है, अर्थात, ये दोनों नाम मेरी पुत्री के है। 3. अपने इस निश्चय के प्रकट करने के प्रयोजनार्थ घोषणा करती हूं कि इसके पश्चात समस्त समयो पर, समस्त अभिलेखों विलेखों तथा लेखो में समस्त कार्यवाहियों, व्यवहारो तथा संव्यवहारों में चाहे वे प्रायवेट हो या सरकारी हो समस्त अवसरो पर अपने पूर्व नाम लेखिका सिह पिता नरेश सिह आर्मो के स्थान पर तथा उसकी जगह कुल नाम लेखिका सिह पिता नरेश (LEKHIKA SINGH D/O NARESH) का ही उपयोग करूंगी / करेंगे और इसी नाम से हस्ताक्षर करेंगे। 4. मै, व पुत्री लेखिका सिह पिता नरेश (LEKHIKA SINGH D/O NARESH) भारतीय नागरिक है। 5. अब से, मेरी पुत्री लेखिका सिह पिता नरेश (LEKHIKA SINGH D/O NARESH) के नाम से जाना जाएगा जो सभी विधिक तथा ऑफिस कार्यो में उपयोग किया जायेगा। मै यह घोषणा करती हूं कि उपरोक्त सभी विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान-पुष्पराजगढ,मध्य प्रदेश
तिथि: 25/07/2026
(तुलसी देवी मरावी पिता श्री थानसिह मरावी)
ग्राम सरवाही थाना राजेंद्रग्राम जिला अनूपपुर म.प्र.

अंजुमन इस्लामिक कमेटी अनूपपुर की मानवीय पहल

सभी धर्मों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा शव फ्रिजर

अनूपपुर। सामाजिक सरोकारों और मानव सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली अंजुमन इस्लामिक कमेटी अनूपपुर ने एक सराहनीय पहल करते हुए सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के लिए निःशुल्क शव फ्रिजर सेवा उपलब्ध कराई है। इस सेवा का उद्देश्य ऐसे परिवारों की सहायता करना है, जिन्हें किसी परिजन के निधन के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने तक शव को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पड़ती है। कमेटी द्वारा उपलब्ध कराया गया शव फ्रिजर किसी एक धर्म या समुदाय

तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के जरूरतमंद परिवारों के लिए समान रूप से उपलब्ध है। कमेटी का कहना है कि दुख की घड़ी में मानवता सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ यह सेवा शुरू की गई है। अंजुमन इस्लामिक कमेटी के सदर लियाक़त अली ने बताया कि कई बार परिजनों के दूर-दराज से आने, कानूनी प्रक्रिया पूरी होने या अन्य कारणों से अंतिम संस्कार में समय लग जाता है। ऐसी परिस्थितियों में शव को सुरक्षित रखना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। इस समस्या को देखते हुए कमेटी ने निःशुल्क शव फ्रिजर की व्यवस्था की है। विशेष बात यह है कि यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है और आवश्यकता पड़ने पर कोई भी व्यक्ति अनूपपुर मस्जिद परिसर से शव फ्रिजर प्राप्त कर सकता है। इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने अंजुमन इस्लामिक कमेटी की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सेवा सामाजिक एकता, सद्भाव और मानवता की मिसाल है। ऐसे समय में जब समाज को आपसी सहयोग और संवेदनशीलता की आवश्यकता है, कमेटी का यह प्रयास निश्चित रूप से प्रेरणादायक है। कमेटी ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी जरूरतमंद परिवार को इस सेवा की आवश्यकता हो तो उन्हें इसकी जानकारी दें, ताकि कठिन समय में लोगों को राहत मिल सके और मानव सेवा का यह अभियान अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।